द रुरल कनेक्ट

खंड 01 अंक 02 हैदराबाद अगस्त 2021 8 पृष्ठ रु.5/-

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लाभ उठाने वाली पीढ़ी हमारे देश का नेतृत्व करेगी"

प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 की पहली वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा। यह 21 वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और चौंतीस वर्षीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई.) 1986 की जगह लेती है। "एन.ई.पी. छात्रों को स्पष्टता, चयन स्वातंत्र्य प्रदान करता है और राष्ट्र निर्माण का एक प्रमुख घटक है"

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सीखने के परिदृश्य को बदलने, शिक्षा को समग्र बनाने और एक आत्मनिर्भर भारत के लिए मजबूत नींव बनाने के लिए एक मार्गदर्शक तत्त्वविज्ञान है"

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने एन.ई.पी. 2020 के महत्व पर जोर दिया क्योंकि उन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में अपने नए पोर्टफोलियो का एजेंडा निर्धारित किया था।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने श्री धर्मेंद्र प्रधान को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं क्योंकि वे कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के साथ शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाल भी रहे हैं।

व्यावसायिक शिक्षा कार्य योजना के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रत्येक राज्य में सभी क्षेत्रों में प्रख्यात व्यक्तियों की एक विशेष कार्यबल ने विचार किया

- एन.ई.पी. 2020 और व्यावसायिक शिक्षा पर जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित व्यावसायिक शिक्षा - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पुनर्कल्पना पर एक संवादात्मक सत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां।

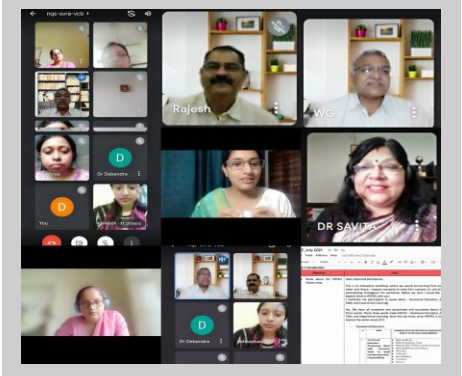

डॉ. राजेश खंबायत, संयुक्त निदेशक, पी.एस.एस. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में एस.सी.ई.आर.टी.एस. और डाइट तक पहुंचने और कौशल और व्यावसायिक शिक्षा के महत्व के संदेश को फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020
शिक्षा के साथ कौशल को एकीकृत करना अद्वितीय क्षमताओं को बढ़ावा देना, वैश्विक क्षमता का निर्माण करना, रोजगार क्षमता में सुधार करना

- एन.ई.पी. चरणबद्ध तरीके से सभी स्कूलों और उच्चतर शिक्षा संस्थानों में व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं के बीच एकीकरण पर जोर देता है।
- जैसा कि एन.ई.पी. में परिकल्पित है, व्यावसायिक शिक्षा स्कूल में छठी कक्षा से शुरू होगी और इसमें इंटर्नशिप शामिल होगी।
- एम.एस.डी.ई. द्वारा शुरू किए गए हब और स्पोक मॉडल पर एक पायलट।
- आई.टी.आई./पी.एम.के.के. को व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वी.ई.टी.) के केंद्र के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। स्पोक के रूप में स्कूल इस हब से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।
- परियोजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 6 से 19 वर्ष की आयु का प्रत्येक युवा वयस्क 2 से 4 स्तर के कम से कम एक प्रमाणन, एन.एस.क्यू.एफ. सर्टिफिकेट के साथ 12 वर्ष की स्कूली शिक्षा पूरी करे या 10 वर्ष की स्कूली शिक्षा और 2 वर्ष के आई.टी.आई. कार्यक्रम के साथ सर्टिफिकेट।
- पी.एम.के.वी.वाई. 3.0 के माध्यम से स्कूली पाठ्यक्रम में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरूआत पर भी जोर दिया गया।

इस महामारी के समय में एम.जी.एन.सी.आर.ई. का स्वच्छता और मनोसामाजिक मार्गदर्शन कार्य वास्तव में प्रशंसनीय है। शिक्षकों और छात्रों को मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है।

- **तेलंगाना के माननीय राज्यपाल**

तेलंगाना के माननीय राज्यपाल डॉ. तमिलिसई सौंदरराजन के साथ बैठक में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष

संपादक की टिप्पणी

*राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के एक वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन एन.ई.पी. 2020 को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के संकल्प की मात्रा को दर्शाता है। अनुभवात्मक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा एम.जी.एन.सी.आर.ई. का पर्याय बन गई है। **व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** पर हमारा वेबिनार व्यावसायिक शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है।*

*कार्य योजना को आगे बढ़ाने के लिए उनके व्यावहारिक सुझावों के लिए मैं पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. **के** संयुक्त निदेशक डॉ. राजेश खंबायत को धन्यवाद देता हूं। जैसा कि वे कहते हैं **"कौशल शक्ति है। व्यावसायिक शिक्षा ही भविष्य है।"** हम इसे अपने एजेंडे के रूप में लेते हैं और इस पर काम करने का संकल्प लेते हैं जो भारत के युवाओं को प्रभावित करेगा और राष्ट्रीय विकास में योगदान देगा।*

यह उत्साहजनक और खुशी की बात है कि नए शिक्षा मंत्री **श्री धर्मेंद्र प्रधान** ने शिक्षा को "समग्र, सस्ती, सुलभ और न्यायसंगत" बनाने और नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को साकार करने के संकल्प का आह्वान किया है। उन्होंने नीति में फोकस क्षेत्रों की पहचान की है जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाएगा। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने नए शिक्षा मंत्री को उनकी नियुक्ति पर हार्दिक बधाई देता है और पाठ्यक्रम विकास, अनुभवात्मक शिक्षा, सामुदायिक व्यस्तता, स्वच्छता कार्य योजना और संबद्ध क्षेत्रों सहित अपने सहायक क्षेत्रों के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

यह गर्व का क्षण था जब **तेलंगाना के माननीय राज्यपाल डॉ. तमिलिसई सौंदरराजन** ने भारत में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के सहयोग से एम.जी.एन.सी.आर.ई. के स्वच्छता और मनोसामाजिक मार्गदर्शन कार्य में गहरी रुचि दिखाई। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सराहना करते हुए, माननीय राज्यपाल ने छात्रों और शिक्षकों के शारीरिक और मानसिक कल्याण के लिए स्वच्छता और स्वच्छ वातावरण और मनोसामाजिक मार्गदर्शन की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. की कार्यशालाएं और 20-दिवसीय **बीट कोविड अभियान** ने भारत के **412** जिलों में समुदायों के लगभग **50 लाख** लोगों को प्रभावित किया है। छात्र स्वयंसेवक ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में उन लोगों को मनोसामाजिक सहायता प्रदान कर रहे हैं जिन्हें इसकी आवश्यकता है। 5 प्रमुख क्षेत्रों की टीम - अस्पताल प्रबंधन, गैर-अस्पताल प्रबंधन, कोविड को सहायतावस्तुओं की प्रभावित परिवारों को सहायता, चिकित्सा आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और मनोसामाजिक सहायता और मार्गदर्शन - जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. इंजीनियरिंग / कानून / बी.ए. बी.कॉम. बी.एस.सी. / फार्मेसी / नर्सिंग / बी.एड, चिकित्सा सहित प्रत्येक जिले में जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार विजेता उ.शि.सं. के साथ सभी उ.शि.सं. / कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को शामिल करते हुए 400 आभासी पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह जिले के सभी महाविद्यालयों में स्वच्छता को प्रेरित और संचार करने के लिए है। इसका उद्देश्य राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता कार्य योजना के पिरामिड का निर्माण करने के लिए जिला स्तर पर प्रभावशाली कार्य करना है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पहले स्वच्छता और स्वास्थ्य, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन और हरियाली प्रबंधन की सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करते हुए उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों (उ.शि.सं.) को 400 "वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन " पुरस्कारों की घोषणा की थी।

निर्धारित 400 में से **51** "वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन" पुरस्कार कार्यक्रम आज तक ऑनलाइन आयोजित किए गए हैं, जिसमें जिला कलेक्टर / मजिस्ट्रेट / आयुक्तों ने विजेता संस्थानों को पुरस्कार प्रदान किए।

ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण प्रबंधन के साथ अपने एजेंडे को ध्यान में रखते हुए, हमने **उद्यमियों को तैयार करने** के लिए 4 कार्यशालाएं आयोजित की हैं।

हमने क्षमता निर्माण और विशेषज्ञता के क्षेत्रों को साझा करने के लिए उ.शि.सं. के साथ बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन के लिए 2 समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

मेरे गुरु, **डॉ. एराच भरूचा** से मिलना एक उत्साहपूर्वक अनुभव था। डॉ. भरूचा पांच दशकों से अधिक समय से वन्य जीवन और प्रकृति संरक्षण में सक्रिय हैं। एक प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर, उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों का व्यापक अध्ययन किया है। "***संरक्षण और विकास को एक साथ चलना चाहिए"*** पर उन्होंने जोर दिया।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

श्री धर्मेंद्र प्रधान को नया शिक्षा मंत्री बनाए जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं! राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ आक्रामक रूप से आगे बढ़ने का उनका आह्वान देश में नए जोश का संचार करता है। इस महीने एम.जी.एन.सी.आर.ई. की सामुदायिक व्यस्तता गतिविधियों के हिस्से के रूप में, 903 उ.शि.सं. ने 356 जिलों को कवर करते हुए 26 राज्यों में 903 सामुदायिक व्यस्तता कार्यशालाएँ आयोजित कीं। उ.शि.सं. में 4,699 संकाय और 68,011 छात्र शामिल थे। इन कार्यशालाओं में 61,084 विद्यार्थियों को उन्मुख किया गया। इस प्रयास से कुल 11,52,184 लोगों की सामुदायिक पहुंच हुई।

"वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन" पुरस्कार कार्यक्रम सफलतापूर्वक ऑनलाइन आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें जिला कलेक्टर / मजिस्ट्रेट / आयुक्त विजेता संस्थानों को पुरस्कार प्रदान कर रहे हैं। यह वास्तव में जिले के कॉलेजों के लिए प्रेरणादायक और संचारित है जो न केवल अपने परिसरों में बल्कि पड़ोसी गांवों में भी इस महामारी के समय में स्वच्छता के मूल्यों पर काम करेंगे।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

"वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन" पुरस्कार कार्यक्रम प्रगति पर है

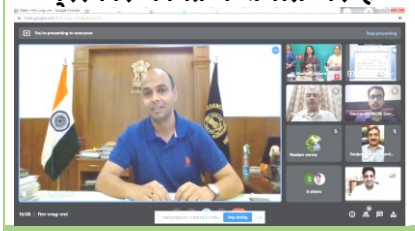

*"पर्यावरण के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा आप चाहते हैं कि पर्यावरण आपके साथ व्यवहार करे" **श्री कुमार अमित, उप-आयुक्त, पटियाला, पंजाब ने चितकारा विश्वविद्यालय** को एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित स्वच्छता कार्य योजना पर जिला स्तरीय क्लस्टर कार्यशाला में **"जिला ग्रीन चैंपियन"** पुरस्कार प्रदान किया। प्रो चांसलर डॉ. मधु चितकारा और वाइस चांसलर डॉ. अर्चना मंत्री द्वारा चितकारा विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब में स्वच्छता और स्वास्थ्य, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन और हरियाली प्रबंधन की सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू किया गया है।*

व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के एक वर्ष के पूरा होने के साथ-साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने **व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** पर एक वेबिनार का आयोजन किया। अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे, जिसमें एम.जी.एन.सी.आर.ई. के संसाधन व्यक्ति और संरक्षक शामिल थे। **डॉ. राजेश**

खंबायत, संयुक्त निदेशक, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. मुख्य अतिथि थे। एन.ई.पी. 2020 चरणबद्ध तरीके से व्यवसायिक को माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा के साथ एकीकृत करने वाली पहली नीति है। "माता-पिता और हितधारकों को व्यावसायिक शिक्षा के महत्व और प्रासंगिकता को समझने की आवश्यकता है। व्यावसायिक शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाने और राज्यों के साथ व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जुनून, प्रतिबद्धता और आजीवन शिक्षा को जोड़ने की आवश्यकता है। प्रक्रिया की सफलता को दो कारक निर्धारित करते हैं - मानचित्रण और निगरानी। एक

आकार सभी के लिए उपयुक्त नहीं है - प्रत्येक राज्य को एक अद्वितीय दृष्टिकोण और योजना की आवश्यकता होगी" डॉ. राजेश खंबायत ने कहा।

"मैं व्यावसायिक शिक्षा इस देश को बदलते हुए देख सकता हूँ।" डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., ने व्यावसायिक शिक्षा की पहुंच और बढ़ाव और एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा अपने जनादेश के हिस्से के रूप में अनुभवात्मक शिक्षा और सामुदायिक व्यस्तता सहित बड़े पैमाने पर किए गए कार्यों का विस्तार करते हुए, डॉ. राजेश खंबायत की सहजता और दृष्टिकोण की सराहना की।
उन्होंने एन.सी.ई.आर.टी. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के बीच संबंधों को और मजबूत करने और मिशन के 50% के कार्यान्वयन पर सहयोग से काम करने की आशा व्यक्त की है। "मैं व्यक्तिगत रूप से व्यावसायिक शिक्षा में विश्वास करता हूं और इसे देश को बदलते हुए देख सकता हूं। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मेहनती प्रतिबद्धता के साथ मिशन के लिए आवश्यक ईंधन है, उन्होंने कहा।

उद्देश्य –

- भारत में व्यावसायिक शिक्षा के मिशन और दृष्टिकोण को जानना
- एन.ई.पी. 2020 के व्यावसायिक शिक्षा कार्यान्वयन के रोडमैप को जानना
- एस.सी.ई.आर.टी. और डाइट को संप्रेषित किए जाने वाले अनुभव और महत्वपूर्ण संदेश साझा करना

एन.ई.पी. 2020 के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई कई पहल -

- *एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट जो एकाधिक प्रवेश और निकास प्रदान करेगा*
- *उच्चतर शिक्षा में छात्रों के लिए विकल्प*
- *क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग कार्यक्रम*
- *उच्चतर शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए दिशानिर्देश*
- *विद्या प्रवेश, तीन महीने का प्ले-बेस्ड स्कूल तैयारी*
- *कक्षा 1 के छात्रों के लिए मॉड्यूल*
- *माध्यमिक स्तर पर एक विषय के रूप में भारतीय सांकेतिक भाषा*
- *निष्ठा 2.0, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा डिजाइन किए गए शिक्षक प्रशिक्षण का एक एकीकृत कार्यक्रम*
- *सफल (सीखने के स्तर के विश्लेषण के लिए संरचित आकलन)*
- *सी.बी.एस.ई. स्कूलों में कक्षा 3, 5 और 8 के लिए योग्यता-आधारित मूल्यांकन ढांचा*
- *कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) प्रशिक्षण के लिए समर्पित वेबसाइट*
- *राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (एन.डी.ई.ए.आर.)*
- *राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी फोरम (एन.ई.टी.एफ.)।*

विचारणीय विषय पर चर्चा –

- *अगले 10 वर्षों में सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों में चरणबद्ध तरीके से व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत किया जाएगा।*
- *सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण।*
- *2025 तक सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों के लगभग 50 प्रतिशत छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव होगा*
- *हम कार्य योजना को कैसे लागू कर सकते हैं, इस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक थिंक टैंक के रूप में **प्रत्येक राज्य** में **एक विशेष कार्य समूह** की आवश्यकता है। थिंक टैंक में व्यावसायिक शिक्षा विभागों के प्रतिष्ठित लोग, शिक्षाविद, शोध विद्वान, उद्योग प्रतिनिधि, प्रमुख सी.एस.आर. पहल अधिकारी और समुदाय के नेता शामिल होंगे।*
- *व्यावसायिक शिक्षा की उपयोगिता और लाभों पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं में लघु फिल्मों की मदद से व्यावसायिक शिक्षा की छवि निर्माण पर हमारा ध्यान केंद्रित होना चाहिए, पैम्फलेट का वितरण, लघु फिल्म और वीडियो को सभी स्कूलों की वेबसाइट और सोशल मीडिया पेज पर रखा जाए।*
- कौशल आपकी शक्ति है।
- *अभिविन्यास के माध्यम से और शिक्षकों को तैयार करके छठी से आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए मुफ्त व्यावसायिक शिक्षा कक्षाएं शुरू करना।*
- ***प्री वोकेशनल एजुकेशन गेम चेंजर साबित होने वाली है।** बैगलेस 10 दिनों का उपयोग VI - VIII कक्षा के लिए अनौपचारिक इंटर्नशिप के लिए समय के रूप में किया जाएगा। छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। समय के साथ, जब छात्र अलग-अलग संदर्भों का अनुभव करते हैं और अलग-अलग दृष्टिकोण प्राप्त करते हैं, तो वे उसी के बारे में अपने माता-पिता के साथ साझा कर सकते हैं। यह हमें माता-पिता के दृष्टिकोण को बदलने में मदद करेगा।*
- ***प्रत्येक जिला क्लस्टर स्तर** पर **कौशल प्रयोगशालाओं** की स्थापना (व्यावसायिक शिक्षा का एक लघु रूप)*
- *उचित सुविधाओं वाले स्कूल की पहचान करना और एक कौशल प्रयोगशाला स्थापित करना आसान है*
- *सभी हितधारकों के साथ सहयोग व्यावसायिक शिक्षा के लिए एक सफलता बिंदु बन जाएगा।*
- *राज्य को चरणबद्ध तरीके से सुविधाओं के उन्नयन और स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए धन का निवेश करना होगा। साथ ही हमें व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए रणनीतियां तैयार करने की आवश्यकता है।*
- *राज्य को सभी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा की पहुंच के चरणों की योजना बनाने की जरूरत है। चरण 1 में आदर्श स्कूल बनाने के लिए अच्छे बुनियादी ढांचे, सुलभ स्थान और सकारात्मक नेतृत्व वाले स्कूल होने चाहिए जो बाकी स्कूलों के लिए अनुकरणीय के रूप में कार्य कर सकें।*
- *ऑनलाइन कार्यक्रम "व्यावसायिक रुचि सूची" का उपयोग करने पर ध्यान दें जो छात्रों को उनकी रुचि और उभरते नए कौशल के आधार पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद करता है।*
- *छात्रों के कौशल, दक्षताओं और क्षमताओं की पहचान करने के लिए प्रत्येक स्कूल में एक संकाय समन्वयक की पहचान करने की आवश्यकता है और उन्हें एक सही पाठ्यक्रम खोजने के लिए मार्गदर्शन करने की आवश्यकता है जिसमें उस इलाके में रोजगार की अपार संभावना हो।*
- *हमें एक मजबूत नेतृत्व के साथ एक लक्ष्योन्मुख, जवाबदेह और पेशेवर टीम के साथ एक आशावादी दृष्टिकोण रखने की आवश्यकता है।*
- *हमें उद्योग के लोगों के साथ सहयोग करने और उचित निगरानी तंत्र के साथ उद्योग की स्थानीय जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।*

अग्रेषित पथ -

- व्यावसायिक शिक्षा अंततः एक अनिवार्य विषय होगा।
- केंद्र में शिक्षक प्रशिक्षण, व्यावसायिक शिक्षाशास्त्र और प्रौद्योगिकी के बारे में सोचने और उद्योग के साथ यथासंभव सहयोग करने की आवश्यकता है।
- डॉ. राजेश को व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता के बारे में प्रेरित करने और बोलने के लिए प्रत्येक एस.सी.ई.आर.टी. स्तर की कार्यशाला में आमंत्रित किया जाएगा।
- एम.जी.एन.सी.आर.ई. उपलब्ध संसाधनों को सख्ती से बढ़ावा देगा और एन.ई.पी. 2020 और व्यावसायिक शिक्षा पर जागरूकता कार्यक्रमों की योजना बनाएगा।

एन.ई.पी. 2020 के बारे में प्रधान मंत्री की प्रमुख पंक्तियाँ

- ***खुलापन और दबाव का अभाव, नई शिक्षा नीति की मुख्य विशेषताएं***
- ***नई शिक्षा नीति हमारे युवाओं को आश्वस्त करती है कि देश पूरी तरह से उनके और उनकी आकांक्षाओं के साथ है***
- ***8 राज्यों के 14 इंजीनियरिंग कॉलेज 5 भारतीय भाषाओं में शिक्षा देना शुरू कर रहे हैं***
- ***शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा गरीब, ग्रामीण और आदिवासी पृष्ठभूमि के छात्रों में विश्वास पैदा करेगी***

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

- श्री सरस्वती त्यागराज कॉलेज, पोलाची, तमिलनाडु
- प्रो. राजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

***एम.जी.एन.सी.आर.ई. संस्थागत सामुदायिक व्यस्तता - उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ बीट कोविड अभियान** - 903 उच्चतर शिक्षा संस्थानों ने 356 जिलों को कवर करते हुए 26 राज्यों में 903 सामुदायिक सहभागिता कार्यशालाएं आयोजित कीं। उ.शि.सं. में 4,699 संकाय और 68,011 छात्र शामिल थे। इन कार्यशालाओं में 61,084 विद्यार्थियों को उन्मुख किया गया। इस प्रयास से कुल 11,52,184 लोगों की सामुदायिक पहुंच हुई।*
निर्धारित 400 में से 51 "वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन" पुरस्कार कार्यक्रम आज तक ऑनलाइन आयोजित किए गए हैं, जिसमें जिला कलेक्टर / मजिस्ट्रेट / आयुक्तों ने विजेता संस्थानों को पुरस्कार प्रदान किए।

ग्रामीण उद्यमिता/ग्रामीण प्रबंधन

ग्रामीण प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए 4 संस्थानों में कार्यशाला का आयोजन किया गया। ग्रामीण विकास पहले से कहीं अधिक उद्यमशीलता से जुड़ा हुआ है। ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने वाले संस्थान और व्यक्ति अब उद्यमिता को एक रणनीतिक विकास हस्तक्षेप के रूप में देखते हैं जो ग्रामीण विकास प्रक्रिया को तेज कर सकता है और रोजगार की एक विशाल संभावना प्रदान कर सकुता है।

ज़े.एस.एस. ग्रुप ऑफ इस्टीट्यूशंस, गंडलपेट, कर्नाटक और **समर्थ ग्रुप ऑफ इस्टीट्यूशंस**, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश के साथ ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए राउंड टेबिल सम्मेलन आयोजित किया गया।

कार्यशालाएं आयोजित किया गया

सेंट जोसेफ कॉलेज, हैदराबाद में; वी.पी.एम. जोशी बेडेकर (स्वायत्त) कॉलेज, ठाणे; लाइफ लान्ग लर्निंग एंड एक्सटेंशन विभाग (डी.एल.एल.ई.), मुंबई; और आई.टी.एम. विश्वविद्यालय, रायपुर

संकाय और छात्रों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया गया और नवाचार और सामाजिक परिवर्तन में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया गया। वर्कशॉप में **ग्रूमिंग एंटरप्रेन्योर्स** पर फोकस किया गया।

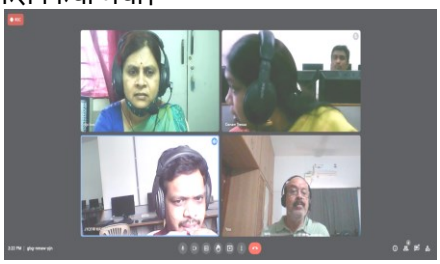

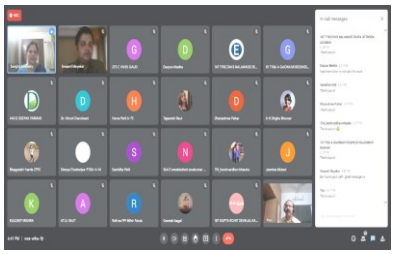

बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन

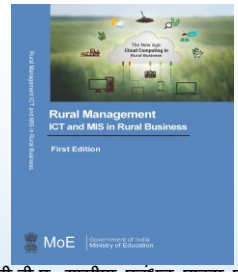

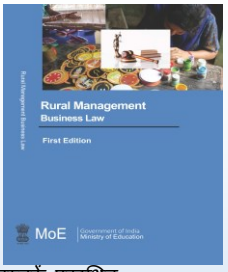

बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित - आर.एम. बिजनेस लॉ और आर.एम. आई.सी.टी. और एम.आई.एस.। व्यापार कानून का ज्ञान प्रत्येक छात्र को व्यवसाय की दुनिया में अपने लिए एक जगह लेते हुए एक व्यापक परिप्रेक्ष्य देता है। विषय की जटिलताओं और गैतिशील प्रकृति को ध्यान में रखते हुए इस विषय को सहजता से समझने का प्रयास किया गया है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के नवीनतम प्रावधानों को इस पुस्तक में शामिल किया गया है। आई.सी.टी. और एम.आई.एस. पर पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आई.सी.टी. उपकरण और सॉफ्टवेयर (एम.एस. ऑफिस) को संभालने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है; प्रभावी निर्णय लेने के लिए विभिन्न प्रकार की सूचना प्रणालियों पर जागरूकता पैदा करना; व्यवसाय संचालन और निर्णय लेने के लिए सूचना प्रणाली शुरू करना; छात्रों को आई.सी.टी. में उपलब्ध नवीनतम तकनीक से परिचित कराना और सूचना प्रणाली से संबंधित सुरक्षा और नैतिक चुनौतियों से परिचित होना।

मानक संचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी.) और नियमावली

कार्यशालाएं, संकाय विकास कार्यक्रम, अनुसंधान कार्यक्रम, पाठ्यचर्या विकास, अनुभवात्मक शिक्षा, सामुदायिक व्यस्तता, ग्रामीण प्रबंधन, प्रकाशन, वीडियो पाठ और कार्य अनुसंधान परियोजनाओं सहित एम.जी.एन.सी.आर.ई. की गतिविधियों के लिए प्रारंभिक कार्य के हिस्से के रूप में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने मानक संचालन प्रक्रिया शुरू की है। (एस.ओ.पी.) और नियमावली मैनुअल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के अनुरूप हैं। सरलीकृत हैंडबुक चीजों को **'कैसे'** करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

एस.ओ.पी./मैनुअल - पाठ्यचर्या विकास - अनुभवात्मक शिक्षा - गांधीजी की नई तालीम कार्यशालाएं

यह मैनुअल राज्य स्तर/संस्था स्तर/स्कूल स्तर की कार्यशालाओं को निष्पादित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा/अनुभवात्मक शिक्षा वाले प्रशिक्षुओं/संसाधन व्यक्तियों की सहायता करेगा। यह शिक्षक/छात्र-शिक्षक/संकाय के लिए एक शिक्षण पाठ्यक्रम और अध्यापन के रूप में अनुभवात्मक शिक्षा को पेश करने में मदद करेगा। मैनुअल की भूमिका प्रतिभागियों को उनके संबंधित क्षेत्रों में नई तालीम/अनुभवात्मक शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए कार्रवाई की योजना बनाने में मदद करना है। इसका उद्देश्य कार्यशाला के लिए सहायकों/संकेतों को तैयार करने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना भी है। प्रतिभागियों को अनुभव, अनुभवात्मक शिक्षण को जीवंत बनाने के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल मैनुअल तैयार किया गया है।

मैनुअल की संरचना:

1. **परिचय:**
   - **एस.ओ.पी. (मैनुअल के उपयोगकर्ता + क्या कवर किया गया है)**
2. **विषय पद्धति:**
   - **गणित के लिए अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियाँ (कदम, सावधानियां, उपकरण, कार्य)**
   - **विज्ञान के लिए अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियाँ**
   - **अंग्रेजी / भाषा के लिए अनुभवात्मक शिक्षण की गतिविधियाँ**
   - **सामाजिक अध्ययन के लिए अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियाँ**
3. **सर्वोत्तम अभ्यास:**
   - **विषय पद्धति के शिक्षक कार्यान्वयन उपकरण**
   - **अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों का उदाहरण**
   - **नई तालीम के साथ शिक्षाशास्त्र एकीकरण**
4. **छात्र परियोजना:**
   - **प्राथमिक स्तर (3 वर्ष - 10 वर्ष)**
   - **माध्यमिक स्तर (11 वर्ष - 17 वर्ष)**
5. **कार्यान्वयन योजना पर विचार मंथन**
   - **विश्वविद्यालयों के लिए**
   - **17 एस.सी.ई.आर.टी. के लिए**
   - **संकाय / शिक्षकों के लिए**
   - **छात्रों के लिए**
6. **रिपोर्टिंग:**
   - **भागीदारी प्रमाण प्रस्तुत करना**
   - **कार्यान्वयन योजना प्रस्तुत करना**

कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को सक्षम होने के लिए ज्ञान और उपकरण प्रदान करना है:

- अपने विश्वविद्यालय/संस्थान/कक्षा में अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति को विकसित करने के लिए एक कार्य योजना विकसित और कार्यान्वित करना।
- अनुभवात्मक शिक्षण परियोजनाओं और तलाशने के अवसरों द्वारा छात्रों को शामिल करने के लिए योजनाओं और प्रक्रियाओं का विकास करना।

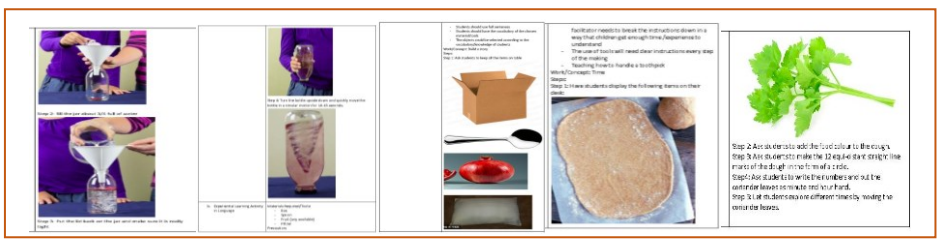

एस.ओ.पी./मैनुअल - संकाय विकास कार्यक्रम में केस/केसलेट चर्चा पद्धति का संचालन कैसे करें

मैनुअल इस बात पर केंद्रित है कि एक संकाय विकास कार्यक्रम में केस चर्चा कैसे आयोजित की जाए। प्रभावी प्रबंधन को प्रासंगिक विश्लेषण और अंतर्दृष्टि के आधार पर निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। छात्रों की बुद्धि को उत्तेजित करने और बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने के लिए केस मेथड लर्निंग का उपयोग करना व्यावहारिक है। केस डिस्कशन समस्या-समाधान, निर्णय लेने और कार्यान्वयन कौशल विकसित करने के लिए व्याख्यान, सेमिनार, खेल, रोल प्ले, औद्योगिक दौरे और समूह अभ्यास को पूरक कर सकता है। एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर दिया गया है जो असंरचित स्थितियों से निपटता है और अनिश्चितता के तहत निर्णय लेने में कौशल प्रदान करता है। केस डिस्कशन पद्धति छात्रों को व्यावहारिक दुनिया की स्थितियों को समझने में मदद करती है। यह छात्रों की परिस्थितियों के बारे में सोचने, प्रश्न पूछने, स्थिति में शामिल होने और वास्तविक समय में समस्या-समाधान के विकल्पों का मूल्यांकन करने की क्षमता में सुधार करता है। यह छात्रों को विचार उत्पन्न करने में मदद करता है, उनकी निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है। यह उन्हें निर्णय लेने वाले के जूते पहनने की अनुमति देता है। यह छात्रों को एक ऐसी स्थिति के बारे में अपमानित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है जो लोगों के समूह से संबंधित है और समस्या-समाधान में लागू एक विशिष्ट अवधारणा पर केंद्रित है।

फोकस / सुधार के अभ्यास के पहलू

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) के संकाय विकास केंद्र अपने संबंधित संस्थानों में केस चर्चा पद्धति को संभालने के लिए उन्मुख संकाय के लिए संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करता है। इस पहल के माध्यम से, एम.जी.एन.सी.आर.ई. निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ उच्चतर शिक्षा संस्थानों के प्रबंधन संकाय के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना है:

- शिक्षण शिक्षण के अनुभवात्मक अधिगम विधियों की सराहना करना
- उ.शि.सं. के संकाय सदस्यों को प्रकरण शिक्षण पद्धति के साथ परिचित कराना
- किसी मामले का विश्लेषण और समझ बनाने के लिए
- कौशल के विकास को बढ़ावा देने के लिए जिसमें संचार, सक्रिय सुनना, महत्वपूर्ण सोच, निर्णय लेने और मेटाकोग्निटिव कौशल शामिल हैं
- पाठ्यक्रम सामग्री ज्ञान को लागू करने में उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए, विभिन्न प्रबंधन विषयों को पढ़ाने के लिए केस चर्चा का उपयोग करके सीखने पर प्रतिबिंबित करें।

केस चर्चा पद्धति पर मैनुअल के अंश

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के संकाय विकास केंद्र कक्षा में केस चर्चा के लाभों को उन्मुख करने के लिए भारत में उ.शि.सं. के संकाय सदस्यों के लिए केस चर्चा पद्धति पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करता है। पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम कक्षा में प्रभावी और आकर्षक केस चर्चाओं को लागू करने के लिए संकायों को विभिन्न उपकरणों से लैस करेगा।

केस चर्चा पद्धति पर एफ.डी.पी. आयोजित करने के चरण

- Finalisation of schedule
- Programme announcement
- Participants registration to be closed ten days before the programme
- Create a whatsapp group
- Identify the cases or caselets related to the specific areas of shedule like marketing/strategy/entrepreneurship
- Share 3 cases / caselets everyday for participants to read in the whatsapp group
- Encourage them to submit case summaries everyday
- Form groups based on the number of participants (Ideal- 4 to 5 per group)
- Assign a mentor to each group. One resource person as mentor per group
- Mentor will guide, facilitate, coach mentees before, during and after the FDP
- Post FDP, Mentor will attend 5 sessions conducted by participants in their respective institutions
- Certificates will be issued to the participants who conducted 5 sessions post FDP

हम इसे छात्रों के लिए और अधिक रोचक कैसे बना सकते हैं?

किसी भी शिक्षा में तीन बड़ी बातें होती हैं।

एक प्रभावी कक्षा वितरण के लिए दस सिद्धांत

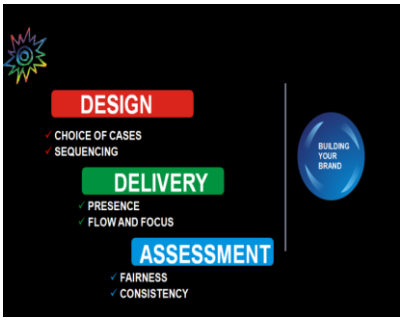

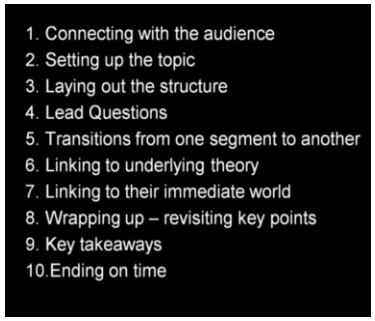

हम वास्तविक शिक्षा को कक्षा में कैसे ला सकते हैं?

एस.ओ.पी. / मैनुअल - ग्रामीण उद्यमिता विकास (आर.ई.डी.) कार्यशालाएं और संकाय विकास कार्यक्रमों का संचालन कैसे करे

एम.जी.एन.सी.आर.ई. देश में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के छात्रों को ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) के माध्यम से उद्यमशीलता के विचारों को लागू करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। उ.शि.सं. के आर.ई.डी.सी. में पांच विंग शामिल हैं जिनमें शामिल हैं:

1. प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विंग जो छात्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमों के साथ इंटर्नशिप और शिक्षुता के अवसर खोजने में मदद करता है।
2. उद्यमिता विंग जो छात्रों को व्यावसायिक योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए प्रेरित करता है और एक मार्ग प्रदान करता है।
3. ग्रामीण जुड़ाव विंग जो छात्रों को ग्रामीण उद्यमों के इको सिस्टम का हिस्सा बनने में मदद करता है और उन लोगों के साथ बातचीत करता है जो पहले से ही व्यवसाय कर रहे हैं, अनुभव प्राप्त करते हैं, व्यवसाय करने के पेशेवरों और विपक्षों को इस तरह से समझते हैं जैसे उनका इरादा है।
4. प्रौद्योगिकी विंग उच्चतर शिक्षण संस्थानों के छात्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न उद्योगों में बेहतर प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए नवीनतम/उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग को समझने के लिए एक विचार प्रदान करता है।
5. व्यक्तित्व विकास विंग छात्रों को खुद को इस तरह तैयार करने में मदद करता है कि वे सफल उद्यमी बनें।

मैनुअल के अंश

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के सदस्य शामिल होते हैं जैसे कि पांच संकाय सदस्य, जिनकी प्रत्येक विंग में पांच छात्रों के समर्थन के साथ ऊपर सूचीबद्ध पांच विंग में रुचि / विशेषज्ञता है। संस्थागत स्तर पर आर.ई.डी.सी. का नेतृत्व उस संबंधित संस्थान के प्रधानाचार्य करते हैं।

संकाय भागीदारी

- संस्था स्तर पर, आर.ई.डी.सी. का नेतृत्व प्रधानाचार्य करते हैं
- संस्थान जाएगा प्रबंधन धारा से पांच संकाय सदस्यों को नामित करेगा
- o पहचाने गए संकाय सदस्यों को छात्रों को उनकी व्यावसायिक योजनाएँ तैयार करने और इसके क्षेत्र कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में सहायता करने के लिए तैयार रहना चाहिए
- ये संकाय सदस्य सुलभ और छात्र हितैषी होने चाहिए
- नामित संकाय सदस्य छात्रों के विचार-विमर्श के लिए उपलब्ध होना चाहिए (एक सप्ताह में पांच घंटे के लिए)

छात्र भागीदारी

- छात्र स्वेच्छा से सेल का हिस्सा बन सकते हैं और वे उस विंग को चुनने के लिए स्वतंत्र हैं जिससे वे जुड़ना चाहते हैं

परिणाम

- एम.जी.एन.सी.आर.ई. संस्थान स्तर पर आर.ई.डी.सी. के निम्नलिखित परिणामों की परिकल्पना करता है:
- परिसर में उद्यमशीलता की गतिविधियों को बढ़ावा देने में प्रबंधन, संकाय सदस्यों और छात्र समुदाय की सक्रिय भागीदारी
- छात्रों के व्यावसायिक विचारों को क्रियान्वित परियोजनाओं में लागू करना
- संस्थान के भीतर विभिन्न हितधारकों के बीच सेल के लिए स्वामित्व की भावना पैदा करना

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों की पांच विंग

क्र. सं.	विंग का नाम	सेल की संरचना	उद्देश्य/गतिविधियां
1	प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विंग	एक संकाय सदस्य पांच छात्र	यह विंग छात्रों को ग्रामीण उत्थान के लिए काम करने वाले उद्यमों के साथ इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के अवसर खोजने में मदद करेगा।
2	उद्यमिता विंग	एक संकाय सदस्य पांच छात्र	इस विंग का मुख्य उद्देश्य छात्रों को व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए एक मार्ग प्रदान करके उन्हें क्षेत्र में इसके कार्यान्वयन के बाद प्रेरित करना है।
3	ग्रामीण जुड़ाव विंग	एक संकाय सदस्य पांच छात्र	इस विंग के माध्यम से, छात्र ग्रामीण चिंताओं पर काम करने वाली एजेंसियों का हिस्सा बन सकेंगे और ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र की समझ विकसित कर सकेंगे। छात्र अनुभव प्राप्त करने के लिए व्यवसाय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे, व्यवसाय करने के पेशेवरों और विपक्षों को इस तरह से समझेंगे कि वेकरने का इरादा क्या है।
4	प्रौद्योगिकी विंग	एक संकाय सदस्य पांच छात्र	प्रौद्योगिकी विंग के माध्यम से, उ.शि.सं. के छात्रों को नवीनतम तकनीकों और ग्रामीण चिंताओं को हल करने के लिए उनके उपयोग के बारे में एक विचार मिलेगा।
5	व्यक्तित्व विकास विंग	एक संकाय सदस्य पांच छात्र	यह विंग छात्रों को खुद को इस तरह से तैयार करने में मदद करेगा कि वे सफल उद्यमी बनें।

ग्रामीण उद्यमिता व्यवसाय योजना तैयार करने और प्रस्तुत करने में शामिल कदम

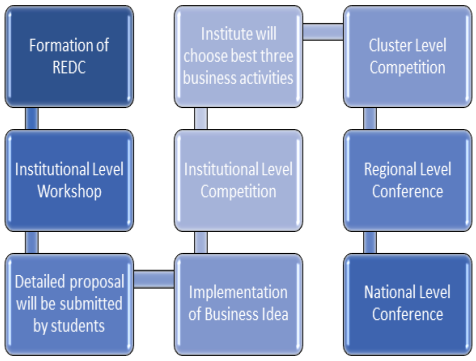

संस्थागत सामुदायिक व्यस्तता - बीट कोविड अभियान - हर एक तक पहुँचें

उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. का 20-दिवसीय बीट कोविड अभियान जिसमें छात्र स्वयंसेवक जरूरतमंदों को ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में मनोसामाजिक सहायता प्रदान करते हैं, के बहुत बड़े परिणाम हैं। टीमों ने अस्पताल प्रबंधन, गैर-अस्पताल प्रबंधन, कोविड प्रभावित परिवारों को सहायता, चिकित्सा अनिवार्यता की आपूर्ति और मनोसामाजिक सहायता और मार्गदर्शन के 5 प्रमुख क्षेत्रों में काम किया।

कार्यप्रणाली:

- यह स्वैच्छिक मिशन संस्थान के सभी छात्रों के लिए खुला है। उन्हें लगातार 20 दिनों के लिए 20-30 मिनट प्रति दिन का निवेश करने की जरूरत है और "हर एक तक पहुँचें" के मिशन के साथ उन्होंने जो काम किया है उसे लॉग करें।
- छात्र उपलब्ध सत्यापित सेवाओं की एक सूची संकलित करते हैं और मनोसामाजिक स्वयंसेवी सहायता प्रदान करने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों में छात्रों के सामुदायिक व्यस्तता के हिस्से के रूप में कोविड हेल्पलाइन (उपरोक्त कार्य के 5 क्षेत्रों में से क्या चुना गया है) के रूप में काम करना शुरू करते हैं। वे अपनी सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकते हैं।
- छात्र यह सुनिश्चित करते हैं कि वे उपलब्ध विभिन्न सेवाओं की सत्यापित जानकारी को नियमित रूप से अपडेट करते हैं
- वे स्वयंसेवी कार्य के दैनिक लॉग को बनाए रखते हुए 20 दिनों तक प्रत्येक दिन की जाने वाली स्वयंसेवी गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करते हैं (उसके लिए प्रारूप संस्थान के साथ साझा किया गया था)
- संस्थान एक रिपोर्ट तैयार करता है और सामुदायिक जुड़ाव मिशन "बीट कोविड" के मुख्य परिणामों को कवर करने वाली एक प्रस्तुति (मिशन का उद्देश्य, मिशन में नामांकित छात्र स्वयंसेवकों की संख्या, छात्रों द्वारा किए गए कार्य के मुख्य क्षेत्र, छात्रों द्वारा किए गए स्वैच्छिक कार्यों का विवरण, संस्थागत प्राप्त परिणाम, कुछ प्रभावशाली और समय पर केसलेट, प्रासंगिक वीडियो / ए.वी. क्लिप, कोई अन्य प्रासंगिक विवरण)
- संस्थान के छात्र एक विशिष्ट तिथि और समय पर प्रस्तुति देते हैं जिसकी सूचना एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दी जाती है। संस्थान, प्राचार्य, संकाय गाइड और छात्र हैं एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रमाणित होते हैं।

प्राप्त परिणाम:

- महामारी के दौरान आर्थिक मुद्दों पर काबू पाने के लिए उन्हें ऐसी गतिविधियों पर काम करना चाहिए जो महामारी के दौरान आय उत्पन्न करें
- टेली मनोसामाजिक परामर्श और मार्गदर्शन के लिए गैर सरकारी संगठनों के साथ भागीदारी
- छात्र स्वयं कोविड प्रभावितों से जुड़े हुए हैं और सहानुभूति और सक्रिय श्रवण प्रदान करते हैं, इस प्रकार मदद चाहने वाले को बोझ उतारने और बेहतर महसूस करने की अनुमति मिलती है।
- कोविड से संबंधित डेटा का विश्लेषण करने के लिए सरकारी विभागों के साथ स्वेच्छा से काम करना
- टेलीकॉलर के रूप में सरकारी सहायता लाइनों के साथ स्वयंसेवा करना और सहायता चाहने वालों के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करना
- कोविड प्रोटोकॉल जागरूकताकार्यक्रम
- टीकाकरण अभियान
- स्वच्छता अभियान
- संस्थान में मनोसामाजिक सहायता प्रकोष्ठ की स्थापना
- टीकाकरण प्रक्रिया के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को सहायता
- टीकाकरण केंद्रों पर भीड़ प्रबंधन
- माताओं को राहत देने के लिए बच्चों की ऑनलाइन जुड़ाव
- ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया गया
- खाद्य दान कार्यक्रम
- पशु देखभाल अभियान (जैसे स्ट्रीट कुत्तें, आदि)
- मास्क आपूर्ति अभियान
- आंगनवाड़ी में टीकाकरण के बारे में जागरूकता
- निःशुल्क अस्पताल और एम्बुलेंस सेवाओं की पहचान
- सोशल मीडिया पर स्टेटस अपडेट के माध्यम से स्वयं को एक कोविड मनोसामाजिक स्वयंसेवी के रूप में उपलब्ध कराने का प्रचार करना
- कोविड प्रोटोकॉल पर शैक्षिक फिल्मों का निर्माण और प्रसार
- कोविड से संक्रमित छात्रों के जोखिम के बिना ऑनलाइन मोड में सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रम लागू किए गए

उच्चतर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से बढ़ावा देने वाले सामुदायिक व्यस्तता का सामुदायिक लचीलापन बनाने और समुदायों की सामाजिक भेद्यता और उनकी आजीविका के प्रबंधन में योगदान है। सैद्धांतिक कक्षा सीखने के साथ-साथ व्यावहारिक क्षेत्र के अनुभव दोनों ही स्वैच्छिकता के महत्वपूर्ण भाग हैं। स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा सहित उच्चतर शिक्षा में उत्साही युवा पीढ़ी की शिक्षा के दौरान उनके स्थानीय समुदाय के मुद्दों के साथ पाठ्यचर्या और गैर-पाठ्यक्रम व्यस्तता के प्रावधान करने की आवश्यकता है, खासकर ग्रामीण समुदाय में। शैक्षिक समुदाय के शिक्षण, अनुसंधान और क्षेत्र के अनुभव के अधिक योगदान के साथ सामुदायिक व्यस्तता पाठ्य ज्ञान और विशेष रूप से ग्रामीण भारत की जरूरतों पर विकसित प्रासंगिक प्रथाओं के बीच भारी अंतर को भर सकता है। लचीलेपन के निर्माण में सामुदायिक व्यस्तता को बढ़ावा देना समुदाय की क्षमता का निर्माण करना है, और जहां संभव हो, किसी आपदा या आपदा के कारण होने वाली संभावित क्षति को रोकना या कम से कम करना। उच्चतर शिक्षण संस्थानों के सामुदायिक व्यस्तता का उपयोग उच्चतर शिक्षा संस्थान और समुदाय के साथ-साथ नागरिक समाज के बीच साझेदारी को गहरा और मजबूत करने के लिए किया जा सकता है ताकि उच्चतर शिक्षा संस्थान के आसपास कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का समाधान किया जा सके, जिसमें सामुदायिक लचीलापन और आपदा का निर्माण शामिल है और जोखिम में कटौती है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. – सामुदायिक पहुंच - जुलाई 2021

क्रम संख्या	राज्य	जिले शामिल	कार्यशालाएं	संस्थान शामिल	प्रतिभागी - संकाय	प्रतिभागी - छात्र	कुल पहुंच (छात्र उन्मुख की संख्या)	कुल सामुदायिक पहुंच
1	आंध्र प्रदेश	13	30	30	61	178	480	7777
2	अरुणाचल प्रदेश	4	4	4	20	353	422	7063
3	असम	11	11	11	55	992	2098	12084
4	बिहार	20	58	58	217	4174	2785	11343
5	चंडीगढ़	1	3	3	25	200	150	15,000
6	छत्तीसगढ़	4	4	4	22	667	398	3798
7	दिल्ली	9	17	17	31	1075	1200	3,706
8	गुजरात	18	34	34	102	1944	1156	8889
9	हरियाणा	22	92	92	1545	17295	13746	7,39,808
10	हिमाचल प्रदेश	7	10	10	36	1395	1052	3656
11	जम्मू और कश्मीर	21	45	45	209	4638	3851	25775
12	झारखंड	7	8	8	10	767	235	4782
13	कर्नाटक	3	4	4	20	156	192	2506
14	केरल	14	34	34	95	493	1426	4386
15	मध्य प्रदेश	20	31	31	106	1228	831	9283
16	महाराष्ट्र	26	93	93	288	2772	3729	63569
17	ओडिशा	1	1	1	35	68	75	1360
18	पंजाब	22	55	55	198	4485	4859	1,26,854
19	राजस्थान	22	43	43	148	2699	1711	23632
20	सिक्किम	2	3	3	25	453	410	1020
21	तमिलनाडु	16	49	49	209	1483	2225	11360
22	तेलंगाना	6	8	8	29	302	524	857
23	त्रिपुरा	11	17	17	66	1538	1147	5225
24	उत्तर प्रदेश	52	156	156	849	10367	9153	33120
25	उत्तराखंड	3	7	7	55	924	1011	1500
26	पश्चिम बंगाल	21	86	86	243	7365	6218	23831
	कुल	**356**	**903**	**903**	**4699**	**68011**	**61084**	**1152184**

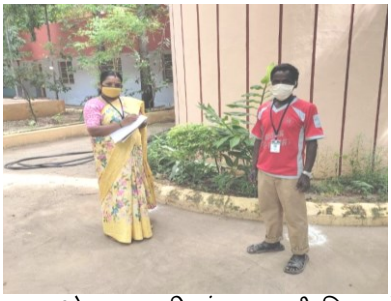

डाइट ओडनछत्रम की संकाय रमानी विजय ने स्वच्छता कर्मियों और सुरक्षा गार्डों को आत्मरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया

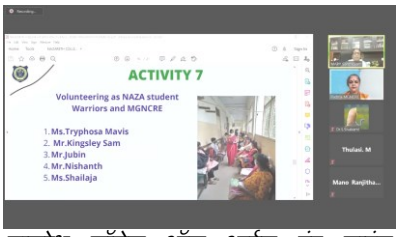

नाज़रेथ कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस, चेन्नई की प्राचार्य डॉ. मैरी एंजेलिन, कोविड वालंटियरिंग इंस्टीट्यूशन कम्युनिटी एंगेजमेंट प्रेजेंटेशन की हैं। उन्होंने डेटा एनालिटिक्स के लिए ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के साथ साझेदारी साझा की और कोविड के लिए उपयुक्त व्यवहार जागरूकता पैदा करने में सहायता की।

हम ऐसे समय में हैं जब कोविड-19 महामारी पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले रही है। परस्पर निर्भरता के माध्यम से ही हम इस गंभीर स्थिति से उबर सकते हैं।

"एक साथ रहो, जीवित रहो"

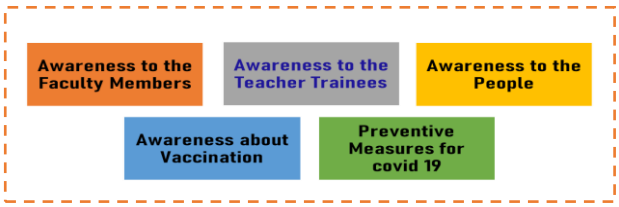

परिणाम संबंधी सत्रों के लिए प्रशिक्षण मुख्य फोकस था। परिणाम कोविड से प्रभावित लोगों की सेवा में संकाय और छात्रों की भागीदारी है। सत्र के दौरान निम्नलिखित बातचीत और मामले पर चर्चा की गई।

• मनोसामाजिक समर्थन ग्राहकों और देखभाल करने वालों को खुद पर और उनके मुकाबला करने के कौशल में विश्वास हासिल करने में कैसे मदद कर सकता है। रोल प्ले को संबंधित कौशल प्रदान करने की विधा के रूप में चुना गया था।

• मनोसामाजिक कल्याण सामाजिक समर्थन प्रणाली, देखभाल और उपचार के बेहतर पालन से कैसे जुड़ा है। प्रतिभागियों को भावनात्मक समर्थन के मामले और परिणाम दिए गए।

• "सबसे अधिक जोखिम" श्रेणी से बचने और अधिक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को विकसित करने पर चर्चा की गई। पेशेवर परामर्शदाता को जोड़ने वाली कड़ी की आवश्यकता पर बल दिया गया। मनोविज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की भूमिका को स्पष्ट किया गया।

""एहसास -> पहचानें -> प्रतिक्रिया -> प्रतिरोध (4 आर) दृष्टिकोण यानी आघात - दृष्टिकोण कोविड-19 को हराने के लिए उपयोगी है।" दिवंगत नितिन कॉलेज पथरी महाराष्ट्र, प्रिंसिपल डॉ. आर.एस. फन्ने के साथ अंग्रेजी विभाग के एच.ओ.डी. सुश्री ए.जी. बदने ने भावनात्मक लचीलापन प्रदान करके कोविड से लड़ने के मिशन के लिए काम करने के लिए आश्वासन दिया।

•कौशल का सम्मान करना और किसी व्यक्ति को हीन (दूसरों से कम या नीचे) के रूप में लेबल करने या देखने से बचना। बहुत बार लोग दूसरों को कलंकित करते हैं क्योंकि उनके पास सही जानकारी या ज्ञान नहीं होता है। लोग दूसरों को कलंकित भी करते हैं क्योंकि वे डरते हैं। सत्र में सुनने के कौशल के साथ-साथ मौलिक कौशल के रूप में सम्मान कौशल सीखने की पेशकश की गई थी।

• घर या समुदाय में हिंसा होने पर हेल्पलाइन या केंद्र तक कैसे पहुंचे। यह रोल प्ले के साथ प्रदर्शित किया गया था।

"मानसिक स्वास्थ्य में न केवल एक उपचारात्मक बल्कि महामारी में निवारक और प्रोत्साहनात्मक भूमिका भी होती है।" एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित कार्यशाला के दौरान पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अकोला महाराष्ट्र के छात्रों ने इसे आवाज दी।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. की संस्थागत सामुदायिक व्यस्तता गतिविधियों की झलक – *कोविड 19 के बारे में जागरूकता फैलाना, टीकाकरण अभियान में मदद करना, आवश्यक सेवाएं प्रदान करना, मनोसामाजिक सहायता देना - एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ने अपने सामुदायिक व्यस्तता जनादेश के हिस्से के रूप में, महामारी के इन संकटपूर्ण समय में यह सब किया है! उच्चतर शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय कार्यों में योगदान करने के लिए जुटाया, प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा सकता है, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा दोहराया गया है। सिद्धि और संतुष्टि की महान ऊंचाइयां शब्दों से परे हैं।*

स्वयंसेवा के लिए जुनून और सकारात्मकता ही एक मात्र आवश्यकता है! दूसरों की मदद करने से खुशी मिलती है!

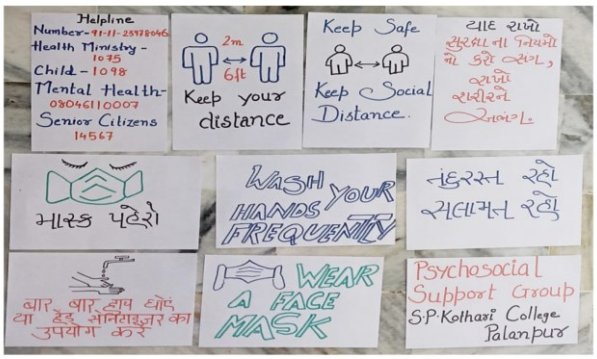

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा की गई मनोसामाजिक मार्गदर्शन गतिविधियों सहित कई सामुदायिक व्यस्तता गतिविधियों को कला में कैद किया गया है। सामाजिक दायित्व का निर्वाह करना।

"हमेशा आप दूसरों की मदद करने के लिए कुछ कर सकते हैं और दूसरों की मदद करके आप खुद भी मदद करेंगे"

खुशी तब मिलेगी जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, सामंजस्य में हों.. महात्मा गांधी

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पुर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004
दूरभाष: 040-23212120, 23422105, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in , वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया .वी, संपादक
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित

(टेम्प: आर.एन.आई. टाइटिल कोड TELENG00794) मूल्य: रु.5/-